हिंदी

व्याकरण एवं रचना

2

With the blessings of :
Our Parents

हिंदी

व्याकरण एवं रचना

2

Copyright@Publishers

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means without prior permission in written. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Limits of liability and Disclaimer of Warranty:

The Author, Editor, Designer and the Publisher of this book have tried their best to ensure that all the texts are correct in all respect. However, the author and the publisher does not take any responsibility of any mistake, if happened. The correction of mistakes, if found will duly be done in the next edition.

MADE IN INDIA

Support Recycle

Save a Tree
Save the Earth

One Ton of this Paper Saves 17 trees

Max Retail Price: On Back Cover

Edited by:
Editone International Pvt. Ltd.

Based on:

- National Education Policy 2020
- NCF 2022
- Activity Based Format
- Innovative Approach
- Learning with fun
- Eco Friendly Paper

SAMPLE

आमुख

भाषा को समझने हेतु व्याकरण एक मजबूत कड़ी है। बिना व्याकरण को समझे हम भाषा को सरल एवं स्पष्ट रूप से नहीं समझ सकते। इसी को ध्यान में रखते हुए 'हिंदी व्याकरण एवं रचना' (कक्षा 1 से 8) तैयार की गई है।

इस श्रृंखला में नई शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख मापदंडों का बड़ी सटीकता से पालन किया गया है। नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित इस पुस्तक में व्याकरण की प्रमुख इकाइयों को बड़े ही सरल, सहज एवं रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इस श्रृंखला में व्याकरण को चित्रों के माध्यम से बड़े ही सहज भाव से तैयार किया गया है ताकि बच्चों को व्याकरण की जटिलता का तनिक भी आभास न हो।

पाठ के प्रस्तुतीकरण में शामिल 'पढ़िए और समझिए' के द्वारा बच्चों को चित्रों के माध्यम से संपूर्ण अध्याय को सरल एवं सहज रूप से समझाने का प्रयास किया गया है ताकि बच्चों का पाठ से जुड़ाव आसानी से हो सके। पाठ में शामिल 'अध्यापन संकेत' हमारा एक छोटा-सा प्रयत्न है जिसके माध्यम से शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

पाठ में शामिल 'आइए, पुनरावृति करें' के माध्यम से सीखे गए बिंदुओं को दोहराया गया है। अभ्यास कार्य के अंतर्गत शामिल 'मौखिक' और 'लेखन कार्य' के द्वारा बच्चों के श्रवण कौशल, बौद्धिक क्षमता और लेखन-शैली पर विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही, 'सोचें-विचारें' के द्वारा बच्चों की रचनात्मक, कार्यात्मक एवं तार्किक क्षमता को निखारने की कोशिश की गई है। 'खेल-खेल में' बच्चों की प्रतिभा को उभारने का संकल्प लिया गया है। साथ ही उनकी मानसिक योग्यता को बल प्रदान करने का प्रयत्न किया गया है। 'प्रेरणादायक मूल्य' को संपूर्ण श्रृंखला में शामिल करने का मूल उद्देश्य बच्चों में नैतिक गुणों को प्रभावी स्वरूप प्रदान करना है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि यह श्रृंखला बच्चों में भाषा को रचनात्मक स्वरूप प्रदान करेगी और उनके बौद्धिक व व्यवहार रूपी अधिगम क्षमता को बढ़ाएगी। आपके सुझावों की सदैव प्रतीक्षा रहेगी। शुभकामनाओं सहित.....

—प्रकाशक

SAMPLE

पाठ्यपुस्तक का परिचय

'पढ़िए और समझिए' के माध्यम से पाठ में अंतर्निहित बातों को सरल तरीके से चित्रों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया है।

'आइए, पुनरावृति करें' के द्वारा पाठ में सम्मिलित प्रमुख बातों, विचारों तथा तथ्यों को पुन: दोहराया गया है ताकि विद्यार्थी पाठ में सीखे गए बिंदुओं को कंठस्थ कर सकें।

'अध्यापन संकेत' एक सम्मिलित प्रयास है जिससे शिक्षक, लेखक के द्वारा दी गई प्रमुख सूचनाओं को आधार बनाकर कक्षा में पठन-पाठन को विद्यार्थियों के लिए बेहतर बना सकें ताकि स्तरानुकूल पढ़ाई का एक मंच तैयार हो सके।

SAMPLE

'अभ्यास कार्य' के अंतर्गत शामिल प्रश्नों के महत्वपूर्ण समुच्चय के द्वारा विद्यार्थियों में महत्वपूर्ण कौशलों के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता को भी प्रभावी रूप देने का प्रयास किया गया है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य
Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) काम के विषय में बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

(ख) दिन भर में आप क्या काम करते हैं?

लेखन कार्य
Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) गर्मियों की छुट्टी में आप क्या-क्या करते हैं? लिखिए।

(ख) आप विद्यालय जाने से पहले क्या-क्या काम करते हैं। लिखकर बताइए।

(ग) आप घर में अपनी मम्मी की किस-किस काम में मद्द करवाते हैं?

सोचें-विचारें
Critical Thinking

2. आपकी माँ प्रतिदिन कौन-कौन से कार्य करती हैं? उन कार्यों की सूची बनाइए।

1. .... 2. ....

3. .... 4. ....

खेल-खेल में
Brain Storming Activity

3. दिए गए वाक्यों में क्रिया शब्दों का प्रयोग करके रिक्त स्थानों को भरिए।

(क) मैं प्रतिदिन सुबह .... जाता हूँ। (दौड़ने, दौड़ता)

(ख) कोमल खिलखिलाकर .... है। (हँसती, हँसते)

(ग) बंटी ने बबली को केक ....। (खिलाया, खाया)

प्रेरणादायक मूल्य
Inspirational Value

कार्य पूरा करने में एक-दूसरे की सहायता कीजिए।
अपने कार्य को कभी भी कल के लिए न छोड़ें।

सोचें-विचारें

3. दिए गए संकेतों को ध्यानपूर्वक ... लिखिए।

(क) अपने से बड़ों के लिए ......

(ख) अपने से छोटों के लिए ......

(ग) अपने लिए ......

खेल-खेल में

4. कुछ संज्ञा और सर्वनाम के गुब... गुब्बारे पहचानकर उनमें पीला रं...

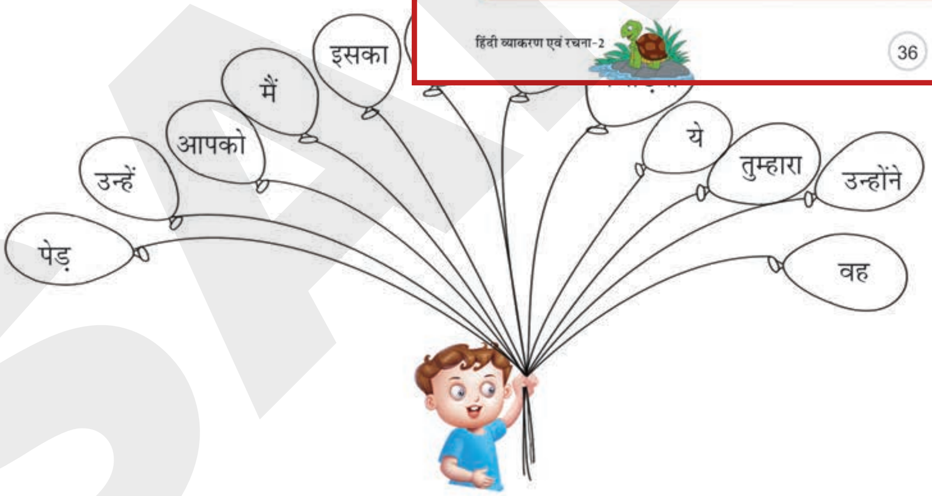

प्रेरणादायक मूल्य

सम्मान देने से ही सम्मान मिलता है इसलिए अपने से बड़ों का सम्मान करें।

'प्रेरणादायक मूल्य' के द्वारा बच्चों में नैतिक गुणों के प्रसार का प्रयास किया गया है ताकि बच्चे उन मूल्यों को अपनाकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

SAMPLE

अनुक्रमणिका

क्रम. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा और बोली (Language and Dialect)	7
2.	वर्णमाला और मात्राएँ (Alphabet and Symbols of Vowles)	12
3.	शब्द और वाक्य (Words and Sentences)	17
4.	संज्ञा (नाम वाले शब्द) (Noun)	21
5.	सर्वनाम (नाम के स्थान पर) (Pronoun)	26
6.	विशेषण (विशेषता बताने वाले शब्द) (Adjective)	31
7.	क्रिया (काम वाले शब्द) (Verb)	34
8.	लिंग (स्त्रीलिंग-पुल्लिग) (Gender)	37
9.	वचन (एक और अनेक) (Numbers)	41
10.	विलोम (विपरीतार्थक) शब्द (Antonyms)	46
11.	पर्यायवाची (समान अर्थ वाले) शब्द (Synonyms)	50
12.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitutions)	54
13.	गिनती, दिन और महीने (Counting, Days and Months)	58
14.	रचनात्मक लेखन (Creative Writing)	62
15.	पत्र-लेखन (Letter Writing)	68
16.	श्रवण कौशल (गतिविधि) (Listening Skill Activities)	73
	स्वमूल्यांकन पत्र-1	77-78
	स्वमूल्यांकन पत्र-2	79-80

SAMPLE

अध्याय 1

भाषा और बोली
(Language and Dialect)

पढ़िए और समझिए

बच्चो, हमने पिछली कक्षा में पढ़ा कि हम अपने विचार अथवा बातों को जिस साधन या माध्यम से दूसरों तक पहुँचाते हैं, उस माध्यम को भाषा कहते हैं। हिंदी हमारी राजभाषा है। भाषा के मुख्यत: दो रूप होते हैं–

भाषा के रूप

1. मौखिक
2. लिखित

1. **मौखिक**– दिए गए चित्र में शिक्षिका छात्रों को बोलकर खेल के निर्देश दे रही हैं और छात्र सुनकर समझ रहे हैं। भाषा के इस रूप को मौखिक भाषा कहते हैं। मौखिक का अर्थ है– मुख से निकला हुआ।

2. **लिखित**– इस चित्र में शिक्षिका बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखकर छात्रों से प्रश्न पूछ रही हैं एवं छात्र उसे पढ़कर उत्तर दे रहे हैं। भाषा के इस रूप को लिखित भाषा कहते हैं। लिखित का अर्थ है– लिखा हुआ।

SAMPLE

उपरोक्त चित्रों से हमने सीखा कि हम सब अपने मन की बात और विचार बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर ही समझा पाते हैं। जिन्हें भाषा के कौशल कहते हैं।

बच्चो! कभी-कभी हम अपनी बात या विचारों को संकेतों के द्वारा भी व्यक्त करते हैं। इसे **सांकेतिक** भाषा कहते हैं; जैसे–

आपने देखा, इस चित्र में ट्रैफिक पुलिस वाला **सांकेतिक** भाषा के माध्यम से यातायात के नियमों को बता रहा है।

क्रिकेट मैच में अंपायर भी सांकेतिक भाषा के माध्यम से खिलाड़ियों को निर्देश दे रहे हैं।

बोली

बच्चों! हमारी तरह जीव-जंतु भी आपस में बातें करते हैं। अपनी बात और विचारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए उनकी भी अपनी-अपनी बोलियाँ होती हैं। आइए देखें, किसकी कौन-सी बोली है?

कुत्ता

बिल्ली

चिड़िया

SAMPLE

मेंढक

बकरी

कौआ

कोयल

चूहा

मुर्गा

गधा

कबूतर

मोर

बतख

आइए, पुनरावृति करें

- भाषा हमारी बातों एवं विचारों को दूसरों तक पहुँचाती है।
- भाषा के दो रूप- मौखिक और लिखित होते हैं।
- भाषा के चार कौशल हैं- बोलना, लिखना, सुनना और पढ़ना।
- जीव-जंतुओं की आवाज़ों को बोली कहते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को भाषा के मौखिक, लिखित तथा सांकेतिक रूपों के बारे में बताएँ तथा उनका अभ्यास कराएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) आप अपने मन की बात दूसरों तक कैसे पहुँचाते हैं?

(ख) भाषा के कितने रूप हैं?

(ग) मौखिक भाषा किसे कहते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भाषा किसे कहते हैं?

....

(ख) बोली किसे कहते हैं?

....

(ग) भाषा के प्रकार को सोदाहरण समझाइए।

....

(घ) भाषा के चार कौशल कौन-कौन से हैं? लिखिए।

....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

2. भाषा और बोली में क्या अंतर है? सोचकर बताइए।

SAMPLE

खेल-खेल में

3. अपने आस-पड़ोस के किन्हीं पाँच घरों में जाकर पता लगाइए और उसकी सूची बनाइए कि वहाँ कौन-कौन सी भाषाएँ बोली जाती हैं?

4. अध्यापिका कक्षा को दो-दो के समूह में विभाजित करें। अब किसी एक बच्चे को संकेत के माध्यम से अपनी बात दूसरे समूह तक पहुँचाने के लिए कहें। दूसरे समूह के बच्चे संकेत के द्वारा समझाई गई बात को समझने का प्रयास करें और बताएँ कि उस बच्चे ने संकेत में क्या बात कही? यह गतिविधि तब तक दोहराएँ, जब तक समूह के सभी बच्चों की बारी न आ जाए। जो समूह अधिक-से-अधिक संकेतों को समझकर बताएगा, वही समूह विजयी कहलाएगा।

समूह (अ)	समूह (ब)
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

विजयी समूह का नाम लिखें

....

SAMPLE

प्रेरणादायक मूल्य

कौआ और कोयल दोनों काले रंग के होते हैं परंतु कोयल की मीठी बोली के कारण सभी उसे प्यार करते हैं। इसी तरह हमें भी सदा मीठे बोल बोलने चाहिए।

वर्णमाला एवं मात्राएँ
(Alphabet and Symbols of Vowels)

पढ़िए और समझिए

भाषा की सबसे छोटी इकाई '**वर्ण**' है। वर्ण वह मूल **ध्वनि** होती है, जिसके और टुकड़े न किए जा सकें।

वर्ण
- 1. स्वर
- 2. व्यंजन

स्वर (Vowels) : स्वतंत्र रूप से उच्चारण की जाने वाली ध्वनियों को **स्वर** कहते हैं। हिंदी में ग्यारह (11) स्वर होते हैं

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अनुस्वार – अं (ं) जैसे – झंडा, कंगन, बंदर, पतंग तथा जंगल इत्यादि।

अनुनासिक – अँ (ँ) जैसे – गाँव, छाँव, चाँद, रोटियाँ इत्यादि।

विसर्ग – अः(:) जैसे – प्रातः, प्रायः, पुनः, फलतः तथा संभवतः इत्यादि।

व्यंजन (Consonants) : स्वरों की सहायता से जिन ध्वनियों का उच्चारण किया जाता है उन्हें **व्यंजन** कहते हैं।

हिंदी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या 33 होती है।

वर्णों को जब हम एक **व्यवस्थित** या **निश्चित** क्रम में लगाते हैं तो यह क्रम **वर्णमाला** कहलाता है।

SAMPLE

वर्ण का नाम	व्यंजन				
क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म
अंत:स्थ	य	र	ल	व	
ऊष्म	श	ष	स	ह	
संयुक्त व्यंजन	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	
आगत वर्ण	ऑ	ज़	फ़		

अं (अनुस्वार) तथा **अः** (विसर्ग) ध्वनियाँ अयोगवाह कहलाती हैं।

हिंदी वर्णमाला में अयोगवाह का स्थान स्वर के बाद और व्यंजन से पहले रखा गया है।

आगत ध्वनियाँ

हिंदी भाषा में उर्दू और अंग्रेज़ी भाषा का प्रभाव होने के कारण कुछ ध्वनियों को इन भाषाओं से उनके मूल रूप में ले लिया गया है; जैसे–

उर्दू की ध्वनियाँ – ज़ तथा फ़

जैसे – बर्फ़, दरवाज़ा आदि।

अंग्रेज़ी की ध्वनियाँ – ऑ

जैसे – कॉफी, डॉक्टर आदि।

SAMPLE

मात्राएँ (Vowel Signs)

शब्दों की रचना के लिए व्यंजन के साथ लगने वाले **स्वरों के चिह्नों को मात्रा कहते हैं।**

हिंदी भाषा में स्वर और मात्राएँ

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ	ं	ः

व्यंजनों के साथ स्वरों की मात्राओं को जोड़कर सार्थक शब्द बनाए जाते हैं।

क्	+	अ	–	क	–	कबूतर
क्	+	आ	–	का	–	कान
क्	+	इ	–	कि	–	किताब
क्	+	ई	–	की	–	कील
क्	+	उ	–	कु	–	कुम्हार
क्	+	ऊ	–	कू	–	कूदना
क्	+	ऋ	–	कृ	–	कृपाण

आइए, पुनरावृति करें

- ध्वनि के लिखित रूप को वर्ण कहा जाता है।
- वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।
- हिंदी भाषा में कुल 11 स्वर तथा 33 व्यंजन होते हैं।
- स्वरों के विशेष चिह्नों को मात्रा कहते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को वर्णमाला से अवगत कराएँ साथ ही शब्दों में लगने वाली मात्राओं का अभ्यास कराएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) अनुस्वार के कोई पाँच उदाहरण लिखिए।

(ख) हिंदी भाषा में स्वर तथा व्यंजन कितने होते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) स्वरों के चिह्नों को क्या कहा जाता है?

(ख) कृपाण के 'क' में किसकी मात्रा लगी है। बताइए।

2. सही व्यंजन के प्रयोग से रिक्त स्थान भरिए।

क		ग		
		ज		
	ठ		ढ	ण
त			ध	

3. दी गई पुस्तक में लिखे स्वर तथा व्यंजन को अलग-अलग करके लिखिए।

ए क ऊ प स आ
र अ ई औ छ च
त उ ऐ ओ ल
ठ फ ह भ इ

स्वर		व्यंजन	
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

SAMPLE

4. **दिए गए चित्रों को देखकर उनके नाम लिखिए और बताइए कि उनमें किन मात्राओं का प्रयोग हुआ है–**

....

....

....

....

....

....

सोचें-विचारें Critical Thinking

5. **'क' व्यंजन से बनने वाले स्वर मात्रा युक्त वर्णों को बताइए।**

खेल-खेल में Brain Storming Activity

6. **सही मिलान कीजिए।**

(क)	आ	(i)	ो
(ख)	इ	(ii)	े
(ग)	ई	(iii)	ृ
(घ)	ऋ	(iv)	ी
(ङ)	ए	(v)	ि
(च)	ओ	(vi)	ा

प्रेरणादायक मूल्य

स्वरों का व्यंजन से मेल होने पर उसका रूप बदल जाता है, वैसे ही अच्छे लोगों की संगति से मनुष्य का चरित्र बदल जाता है।

SAMPLE

अध्याय 3

शब्द और वाक्य
(Words and Sentences)

पढ़िए और समझिए

बच्चों, पिछले अध्याय में हमने वर्णों के बारे में पढ़ा, उन्हीं वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं अर्थात दो या दो से अधिक वर्णों को जोड़ने से शब्द का निर्माण होता है; जैसे–

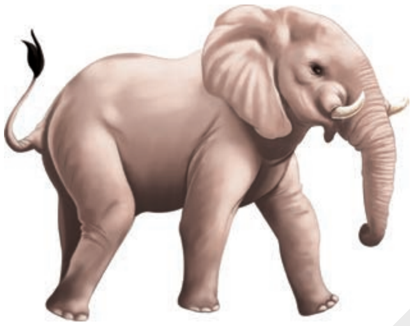

हा+थी = हाथी

क+म+ल = कमल

म+छ+ली = मछली

नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए और जिन शब्दों का अर्थ आपको समझ आ रहा है, उनके आगे (✓) का चिह्न लगाइए–

ल + ड़ + की = लड़की ☐   अ + ख + बा + र = अखबार ☐

की + ल + ड़ = कीलड़ ☐   ख + अ + र + बा = खअरबा ☐

ऊपर दिए गए शब्दों में लड़की, अखबार शब्द का कोई-न-कोई अर्थ है इसलिए ये सही शब्द हैं।

परंतु कीलड़, खअरबा शब्दों का कोई अर्थ नहीं है इसलिए इन्हें शब्द नहीं कहा जा सकता क्योंकि ये पूर्णतः अर्थहीन हैं।

वर्णों के सार्थक मेल से शब्द का निर्माण होता है।

SAMPLE

वाक्य

जिस प्रकार वर्णों के उचित मेल से शब्द का निर्माण होता है, ठीक उसी प्रकार शब्दों को उचित रूप से मिलाने से वाक्य का निर्माण होता है। अर्थ वाले शब्दों को जब हम उचित क्रम में जोड़कर प्रकट करते हैं, तो वह वाक्य का रूप ले लेता है; जैसे–

गलत वाक्य	सही वाक्य
रही है नाच नर्तकी	नर्तकी नाच रही है।
रहा है हँस जोकर	जोकर हँस रहा है।
खाकर गया मज़ा आ खाना	खाना खाकर मज़ा आ गया।

शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य का निर्माण होता है।

आइए, पुनरावृति करें

- वर्णों का ऐसा मूल जो उचित अर्थ प्रदान करता है, शब्द कहलाता है।
- दो या दो से अधिक शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य बनते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को शब्दों और वाक्यों के बारे में बताएँ तथा शब्दों को जोड़कर वाक्य निर्माण की प्रक्रिया का अभ्यास कराएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) शब्दों का निर्माण कैसे होता है?

(ख) वाक्यों का प्रयोग कहाँ होता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. उचित शब्द का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

शब्द वर्णों उचित अर्थ वाक्य

वर्णों की सहायता से हम बहुत सारे .... बना सकते हैं। परंतु .... शब्द वही होते हैं, जिनका कोई .... होता है। जैसे .... के मेल से शब्द बनते हैं, उसी तरह शब्दों के उचित मेल से .... बनते हैं।

2. चित्रों को देखकर शब्दों की पहचान कीजिए और उनके वर्णों को सही क्रम में लगाइए।

(क) ल + टे + ला + न ....

(ख) ला + क + रे ....

(ग) बू + क + त + र ....

SAMPLE

3. शब्दों को उचित क्रम में लगाकर वाक्य बनाइए।

(क) तोता + है + बैठा + पेड़ + पर + आम + के

वाक्य – ....

(ख) खिल + रहे + हैं + पुष्प + में + उपवन

वाक्य – ....

(ग) राष्ट्रीय + है + पक्षी + मोर + हमारा

वाक्य – ....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

4. 'रेलवे स्टेशन' अंग्रेज़ी भाषा का शब्द है जिसका प्रयोग हम हिंदी में भी 'रेलवे स्टेशन' के रूप में करते हैं। इसी तरह से अंग्रेज़ी के कुछ और शब्द हैं, जिनका प्रयोग हिंदी में उसी रूप में किया जाता है। ऐसे चार शब्दों को सोचकर लिखिए।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. चित्रों को देखकर वाक्य बनाइए।

चित्र	वाक्य
	....
	....

प्रेरणादायक मूल्य

उचित स्थान पर उचित शब्दों का प्रयोग करने से सभी कठिनाइयाँ दूर हो जाती हैं और सफलता मिलती है। इसलिए कम बोलिए और अच्छा बोलिए।

SAMPLE

संज्ञा (नाम वाले शब्द) (Noun)

पढ़िए और समझिए

बच्चों! पिछली कक्षा में हमने पढ़ा कि संसार में हर किसी का कुछ-न-कुछ नाम अवश्य होता है जिससे उसकी पहचान होती है। अतः वे शब्द जो किसी मनुष्य, जीव, स्थान, वस्तु या भाव का नाम बताते हैं, उन्हें संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण-

1. हर व्यक्ति का कुछ-न-कुछ नाम होता है; जैसे-

महात्मा गांधी

डॉ० अब्दुल कलाम

मदर टेरेसा

कल्पना चावला

अमिताभ बच्चन

2. सभी जीव-जंतुओं का कोई-न-कोई नाम अवश्य होता है; जैसे-

शेर

गाय

कुत्ता

तितली

चींटी

SAMPLE

3. सभी वस्तुओं का कोई-न-कोई नाम होता है; जैसे-

पुस्तक

कुरसी

पंखा

फुटबॉल

कंप्यूटर

4. सभी स्थानों का कुछ-न-कुछ नाम है; जैसे-

विद्‌यालय

मैदान

नदी

पर्वत

ताजमहल

आइए कुछ और नाम वाले शब्दों को पढ़ें-

(क) **भाव का नाम-** खुशी, रोना, ममता, प्यार, क्रोध आदि।

(ख) **दिनों/महीनों के नाम-** सोमवार, मंगलवार, जनवरी, फरवरी आदि।

(ग) **नदियों/पहाड़ों के नाम-** गंगा, यमुना, हिमालय, शिवालिक आदि।

(घ) **शहरों/देशों के नाम-** दिल्ली, मुंबई, अमेरिका, चीन आदि।

इसी तरह से त्योहारों के नाम, खेलों के नाम, इमारतों के नाम आदि होते हैं जो कि संज्ञा के ही उदाहरण हैं। संज्ञा के तीन भेद हैं-

संज्ञा के भेद

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. जातिवाचक संज्ञा
3. भाववाचक संज्ञा

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा- किसी नाम का प्रयोग केवल एक व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के लिए होता है, उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे-

SAMPLE

विराट कोहली भारत चंद्रमा टॉम एवं ज़ेरी

2. जातिवाचक संज्ञा– जब किसी व्यक्ति, वस्तु का विशेष समूह के आधार पर बोध होता हो, तब उसे **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे–

मनुष्य पक्षी नदी कार

3. भाववाचक संज्ञा– जिस नाम का प्रयोग किसी भाव का बोध कराने के लिए होता है, उसे **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे–

बुढ़ापा खुशी रोना मित्रता

आइए, पुनरावृति करें

- संसार में सभी प्राणियों, वस्तुओं और स्थानों के नाम होते हैं।
- सभी नाम वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।
- संज्ञा के कुल तीन भेद हैं– (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) जातिवाचक संज्ञा (ग) भाववाचक संज्ञा

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को संज्ञा के सभी भेदों की सोदाहरण व्याख्या कर पाठ को स्पष्टता के साथ समझाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) संज्ञा के कितने भेद होते हैं? बोलकर सुनाइए।

(ख) भाववाचक संज्ञा के कोई दो उदाहरण बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए निर्देशों के अनुसार दो-दो नाम लिखिए।

(क) व्यक्तियों के नाम ....

(ख) पक्षियों के नाम ....

(ग) पशुओं के नाम ....

(घ) इमारतों के नाम ....

2. दिए गए चित्रों के नाम उचित स्थान पर लिखिए।

झाँसी की रानी   मोटापा   पाठशाला   हँसी   हाथी   बुढ़ापा

मोर   मोगली   रोना   अंगूर   ताजमहल   भगत सिंह

SAMPLE

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा – ....

(ख) जातिवाचक संज्ञा – ....

(ग) भाववाचक संज्ञा – ....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

3. विद्यालय जाते समय आप किन-किन वस्तुओं को ले जाते हैं, उन वस्तुओं की एक सूची बनाकर उन्हें संज्ञा में विभाजित करें।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

4. दिए गए परिवार वृक्ष पर अपने परिवार के सदस्यों के चित्र चिपकाइए और रिक्त स्थान में उनके नाम भी लिखिए।

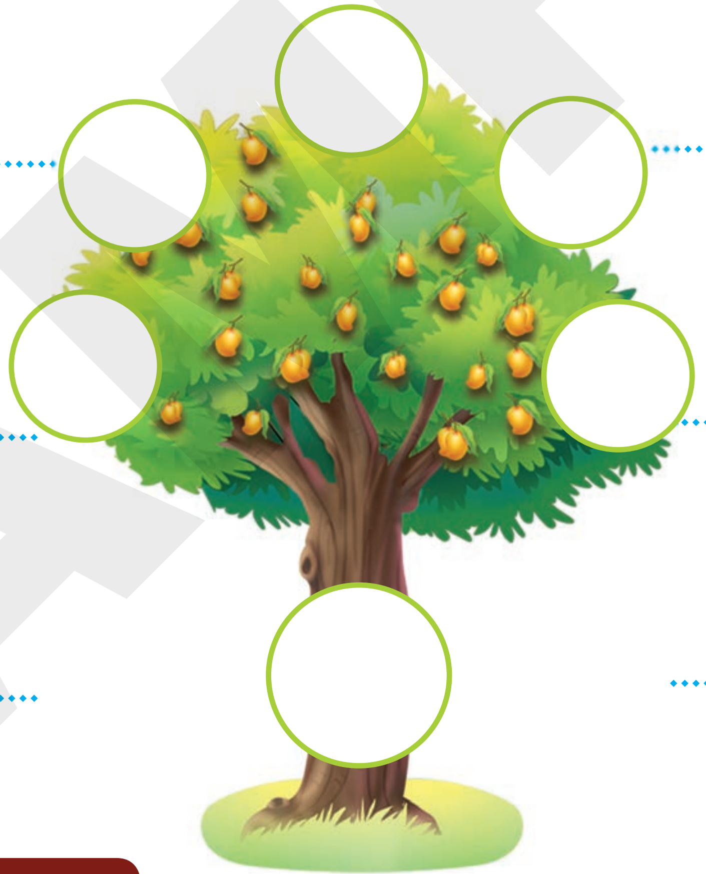

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

हमें सदैव अच्छे कर्म करने चाहिए क्योंकि हमारे कर्म ही हमें पहचान दिलाते हैं।

SAMPLE

अध्याय 5

सर्वनाम (नाम के स्थान पर)
(Pronoun)

पढ़िए और समझिए

मैं मोहक हूँ। आइए, मैं आपको अपने मित्रों से मिलवाता हूँ।

यह कार्तिक है। हम अच्छे मित्र हैं।

वे रोहन और गीतिका हैं। उनको गाना गाना अच्छा लगता है। उन्हें गाने दो।

इसका नाम टॉफी है। यह अभी-अभी हमारा मित्र बना है। हम सभी इसे प्यार करते हैं।

सर्वनाम

वे शब्द, जिनका प्रयोग नाम वाले शब्दों (संज्ञा) के स्थान पर किया जाता है, उन्हें **सर्वनाम** कहते है; जैसे–

हेमा विद्यालय जा रही है। **वह** विद्यालय जा रही है।

बच्चो! ऊपर लिखे पहले वाक्य में लड़की का नाम '**हेमा**' आया है, जबकि दूसरे वाक्य में हेमा के स्थान पर '**वह**' शब्द का प्रयोग किया गया है। ऐसे कई शब्द हैं जो 'नाम' के स्थान पर आते हैं; **जैसे**– मैं, वह, हमारा, तुम्हारा, तुम, वे, आप, उसका आदि। इन शब्दों का प्रयोग करने से वाक्य सुंदर व स्पष्ट हो जाते हैं।

आइए, कुछ अन्य सर्वनाम शब्दों को देखें–

अपने लिए
- मैं
  - मुझे
  - मेरा
- हम
  - हमें
  - हमारा

दूसरों के लिए
- वह
  - उसे
  - उसका
- वे
  - उन्हें
  - उनका

बड़ो के लिए
- आप
  - आपने
  - आपका

छोटों व अपने बराबर वालों के लिए
- तुम
  - तुम्हें
  - तुम्हारा

SAMPLE

नज़दीक के लिए

- यह
  - इसे
  - इसका
- ये
  - इन्हें
  - इनका

सबके नाम (संज्ञा) के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

- सर्वनाम शब्दों में स्त्रीलिंग और पुल्लिंग नहीं होता। लड़का-लड़की दोनों के लिए समान शब्दों का प्रयोग होता है।
- संज्ञा शब्दों की तरह सर्वनाम शब्दों में भी एकवचन तथा बहुवचन होते हैं; जैसे-

एकवचन		बहुवचन	एकवचन		बहुवचन
मैं	–	हम	तुम	–	तुम लोग
यह	–	ये	वह	–	वे
इसे	–	इन्हें	उसे	–	उन्हें

आइए, पुनरावृति करें

- संज्ञा शब्दों के स्थान पर आने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
- सर्वनाम शब्दों में एकवचन तथा बहुवचन होते हैं।

अध्यापन संकेत
शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को सर्वनाम शब्दों की पहचान करना सिखाएँ तथा वाक्यों में उनके प्रयोग करने के तरीके को भी समझाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) नज़दीक का बोध कराने के लिए किन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

(ख) नाम वाले शब्दों के स्थान पर किन शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **सही शब्द चुनकर लिखिए।**

हम   आपने   उसकी   मैं   तुम

(क) .... पुस्तक उसे वापस कर दो।

(ख) .... अपने काम पर ध्यान दो।

(ग) .... पेड़ पर चढ़ गया हूँ।

(घ) क्या .... खाना खा लिया।

(ङ) कल .... नानी के घर गए थे।

2. **सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए।**

(क) मेरा ....

(ख) आप ....

(ग) किसका ....

(घ) तुम्हारा ....

(ङ) उन्होंने ....

(च) उसकी ....

SAMPLE

सोचें-विचारें

Critical Thinking

3. दिए गए संकेतों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उचित सर्वनाम शब्दों को सोचकर लिखिए।

(क) अपने से बड़ों के लिए ....

(ख) अपने से छोटों के लिए ....

(ग) अपने लिए ....

खेल-खेल में

Creative Thinking

4. कुछ संज्ञा और सर्वनाम के गुब्बारे आपस में मिल गए हैं। सर्वनाम शब्द वाले गुब्बारे पहचानकर उनमें पीला रंग भरिए-

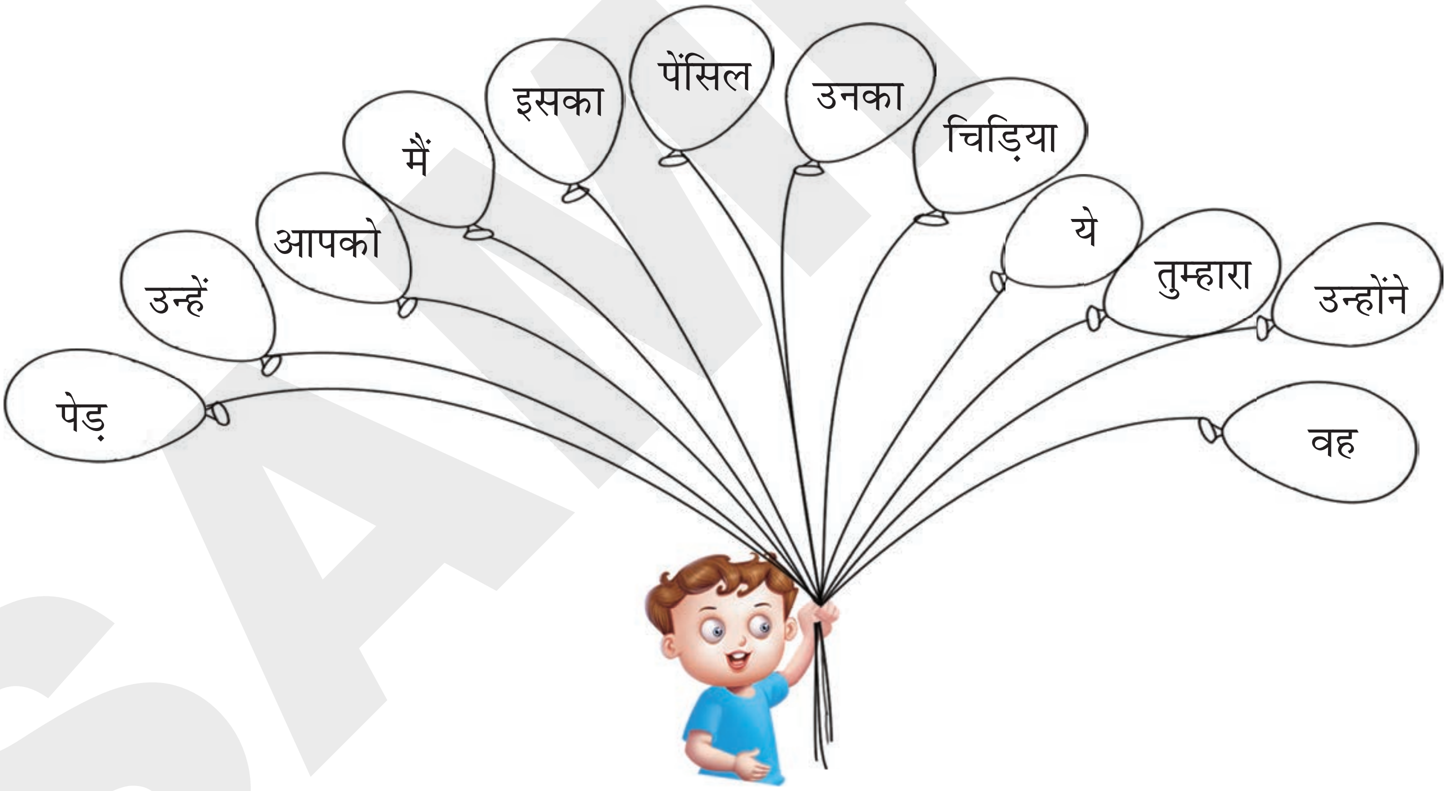

प्रेरणादायक मूल्य

सम्मान देने से ही सम्मान मिलता है इसलिए अपने से बड़ों का सम्मान करें।

SAMPLE

अध्याय 6

विशेषण

(विशेषता बताने वाले शब्द)

(Adjective)

पढ़िए और समझिए

बच्चों! ऐसे शब्द जो संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, विशेषण कहलाते हैं।

नटखट बंदर नाच रहा है।　　यह तरबूज़ मीठा है।　　वह अमीर व्यक्ति है।

ऊपर दिए गए चित्रों में बंदर, तरबूज़ और व्यक्ति संज्ञा शब्द हैं, परंतु नटखट, मीठा और अमीर शब्द क्रमशः इनकी विशेषता प्रकट कर रहे हैं।

दिए गए विशेषण शब्दों का अध्ययन करते हैं–

मीठा आम　　लंबा लड़का　　पीला फूल　　चार चिड़ियाँ

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को विशेषण शब्दों के बारे में बताकर वाक्यों में उनकी पहचान करना सिखाएँ।

SAMPLE

मोटा बच्चा　　पीली साड़ी　　ऊँचा मकान　　मीठा सेब

बच्चो! ऊपर लिखे वाक्यों में मीठा, लंबा, चार, मोटा, पीली, ऊँचा, मीठा शब्द क्रमश: आम, लड़का, फूल, चिड़ियाँ, बच्चा, साड़ी, मकान और सेब की विशेषता बता रहे हैं, अत: ये शब्द विशेषण हैं।

विशेषण शब्द अनेक प्रकार की विशेषताएँ अथवा गुण बताते हैं; जैसे-

- रंग-रूप – लाल, काला, सुंदर, चमकीला आदि।
- आकार-प्रकार – ऊँचा, नीचा, मोटा, पतला, छोटा, लंबा आदि।
- गुण-दोष – मूर्ख, चालाक, अच्छा, बुरा आदि।
- माप-तौल – एक किलो, चार लीटर, दो मीटर आदि।
- अवस्था – अमीर, गरीब, बीमार, स्वस्थ, बूढ़ा, जवान आदि।
- संख्या – पाँच, दस, दूसरा, सातवाँ, दसवाँ आदि।

आइए, पुनरावृति करें

- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
- विशेषण शब्द अनेक प्रकार की विशेषताएँ और गुण बताते हैं।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) विशेषण शब्द संज्ञा और सर्वनाम की विशेषताएँ किस आधार पर बताते हैं?

(ख) 'सुंदर गुड़िया' और 'दो किलो आलू' में कौन-से शब्द विशेषण हैं?

SAMPLE

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) हमारे राष्ट्रीय ध्वज में कितने रंग होते हैं?

(ख) सेब का स्वाद कैसा होता है? लिखिए।

(ग) आपके परिवार में कितने सदस्य हैं? लिखिए।

2. दिए गए शब्दों में से विशेषता बताने वाले शब्दों को छाँटकर रिक्त स्थान भरिए।

काला   दो   स्वच्छ   स्वादिष्ट

(क) हमें .... पानी पीना चाहिए।

(ख) मेरी मम्मी .... भोजन बनाती हैं।

(ग) कोयल का रंग .... है।

(घ) मेरे पास ....साड़ियाँ हैं।

सोचें-विचारें

Critical Thinking

3. वे कौन-से शब्द हैं जो आपकी विशेषता बताते हैं? सोचकर बताइए।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

4. अपने सबसे अच्छे मित्र का नाम बताएँ और उसकी चार विशेषताएँ लिखिए।

नाम : ....

विशेषताएँ 1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

प्रेरणादायक मूल्य

संसार में प्रत्येक मनुष्य की अपनी-अपनी विशेषताएँ हैं। हमें उनका सम्मान करना चाहिए।

SAMPLE

अध्याय 7

क्रिया (काम वाले शब्द) (Verb)

पढ़िए और समझिए

बच्चों! हम सभी हर समय कुछ-न-कुछ काम करते रहते हैं; जैसे- पढ़ना, लिखना, उठना, बैठना, नाचना, दौड़ना, खेलना, खाना, पीना आदि। इन्हीं काम वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं।

वे शब्द जिनसे किसी काम के होने या करने का पता चलता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।

दिए गए चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए और उनमें हो रही क्रियाओं का अध्ययन कीजिए-

माँ खाना **पका** रही हैं।

बच्चे **दौड़** रहे हैं।

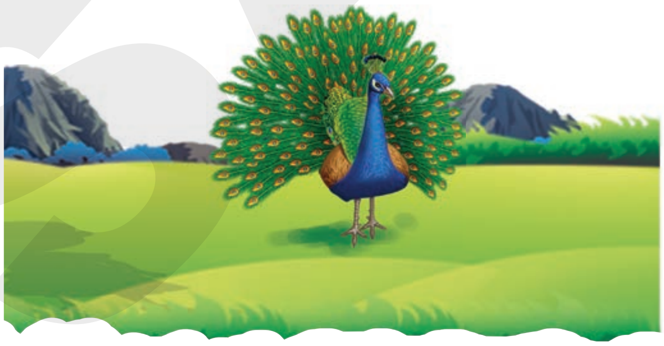

मोर **नाच** रहा है।

अनुराधा **रो** रही है।

SAMPLE

ऊपर दिए गए चित्रों में आपने देखा कि प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा कुछ-न-कुछ काम किया जा रहा है; **जैसे-** पकाना, दौड़ना, रोना, नाचना आदि। इन सभी शब्दों से काम के होने या करने का बोध हो रहा है।

कुछ काम प्रकृति के द्वारा किए जाते हैं जिन्हें हम काम का अपने आप होना कहते हैं; **जैसे-**

बारिश **हो** रही है।

हवा **चल** रही है।

सूरज **निकल** रहा है।

आइए, पुनरावृति करें

- सभी लोग कुछ-न-कुछ कार्य करते हैं।
- किसी भी कार्य के होने या करने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।
- बिना क्रिया के कोई भी बात या वाक्य पूरा नहीं होता।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को क्रिया के विभिन्न शब्दों का प्रयोग करना सिखाएँ एवं उनका अभ्यास कराएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) काम के विषय में बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

(ख) दिन भर में आप क्या काम करते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) गर्मियों की छुट्टी में आप क्या-क्या करते हैं? लिखिए।

(ख) आप विद्यालय जाने से पहले क्या-क्या काम करते हैं। लिखकर बताइए।

(ग) आप घर में अपनी मम्मी की किस-किस काम में मद्द करवाते हैं?

सोचें-विचारें

Critical Thinking

2. आपकी माँ प्रतिदिन कौन-कौन से कार्य करती हैं? उन कार्यों की सूची बनाइए।

1. .... 2. ....

3. .... 4. ....

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

3. दिए गए वाक्यों में क्रिया शब्दों का प्रयोग करके रिक्त स्थानों को भरिए।

(क) मैं प्रतिदिन सुबह .... जाता हूँ। (दौड़ने, दौड़ता)

(ख) कोमल खिलखिलाकर .... है। (हँसती, हँसते)

(ग) बंटी ने बबली को केक ....। (खिलाया, खाया)

प्रेरणादायक मूल्य

Inspirational Value

- कार्य पूरा करने में एक-दूसरे की सहायता कीजिए।
- अपने कार्य को कभी भी कल के लिए न छोड़ें।

SAMPLE

अध्याय 8

लिंग (स्त्रीलिंग-पुल्लिंग) (Gender)

पढ़िए और समझिए

आज मेरा जन्मदिन है और केक काटने का समय हो गया है।

चलो! पहले देखें कौन-कौन आए हैं।

बच्चो! अब आप बताइए-

अवनि के जन्मदिन पर कौन-कौन आया और कौन-कौन आई?

आया		आई	
✦ दादा जी	✦ चाचा	✦ दादी जी	✦ चाची
✦ गौरव भैया	✦ रोहित	✦ नेहा दीदी	✦ नीरू बुआ
✦ मौसा	✦ जिमी	✦ मौसी	✦ पिंकी

SAMPLE

बच्चो ऊपर लिखे गए वाक्य में '**आया**' शब्द से **पुरुष** का तथा '**आई**' शब्द से **महिला** का बोध हो रहा है, ऐसे शब्दों को लिंग कहते हैं।

> वे शब्द जो **पुरुष** अथवा **स्त्री** जाति का बोध कराते हैं, वे **लिंग** कहलाते हैं।

लिंग के **दो** भेद होते हैं–

लिंग

1. पुल्लिंग | 2. स्त्रीलिंग

1. पुल्लिंग (Masculine Gender)– वे शब्द जो पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं; जैसे– पुत्र, बकरा आदि।

2. स्त्रीलिंग (Feminine Gender)– वे शब्द जो स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे– पुत्री, बकरी आदि।

आओ, कुछ पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द पढ़ें–

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
गायक	–	गायिका	चिड़ा	–	चिड़िया
राजा	–	रानी	बिलाव	–	बिल्ली
हिरन	–	हिरनी	नायक	–	नायिका
बालक	–	बालिका	शिक्षक	–	शिक्षिका
मोर	–	मोरनी	ऊँट	–	ऊँटनी
पिता	–	माता	भाई	–	बहन
दादा	–	दादी	चाचा	–	चाची
मामा	–	मामी	हाथी	–	हथिनी

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को लिंग के बारे में बताएँ एवं उनकी पहचान करना सिखाएँ।

SAMPLE

आइए पुनरावृति करें

- पुरुष जाति को बताने वाले शब्दों को पुल्लिंग कहते हैं।
- स्त्री जाति को बताने वाले शब्दों को स्त्रीलिंग कहते हैं।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) 'पिता' शब्द का स्त्रीलिंग और 'अध्यापिका' का पुल्लिंग शब्द बताइए।

(ख) किसी पशु या पक्षी के स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्द बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) लिंग किसे कहते हैं?

(ख) आपके विद्यालय में कितने अध्यापक स्त्रीलिंग हैं और कितने पुल्लिंग हैं? लिखिए।

(ग) आपका प्रिय मित्र शब्द पुल्लिंग है या स्त्रीलिंग, लिखिए।

(घ) 'नायिका' का पुल्लिंग शब्द लिखिए।

2. **दिए गए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए-**

पुत्री	–	....	हाथी	–	....
मैना	–	....	घोड़ी	–	....
माली	–	....	लड़का	–	....
नायक	–	....	ऊँट	–	....
दादी	–	....	बकरी	–	....
अध्यापक	–	....	राजा	–	....
देव	–	....	बैल	–	....

SAMPLE

3. चित्र पहचानकर नाम लिखिए।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
....	....
....	....

सोचें-विचारें
Critical Thinking

4. अपनी कक्षा में मौजूद विद्यार्थियों का विभाजन आप किस आधार पर करेंगे? सोचकर बताइए।

खेल-खेल में
Brain Storming Activity

5. आप अपने बस्ते की चीज़ों के नाम लिखकर उन्हें लिंग के रूप में वर्गीकृत करें।

....

....

प्रेरणादायक मूल्य
Inspirational Value

- बेटा हो या बेटी, सभी में भगवान की मूरत है।
- स्त्री और पुरुष अलग नहीं, अतएव दोनों को सम्मान देना चाहिए।

SAMPLE

अध्याय 9

वचन (एक और अनेक)

(Numbers)

पढ़िए और समझिए

बच्चों! जब किसी व्यक्ति, वस्तु, जानवर की संख्या गिनने पर यदि '**एक**' है तो वह '**एकवचन**' कहलाएगा। परंतु जब वही संख्या एक से '**अधिक**' होती है तो उसे '**अनेक**' अथवा '**बहुवचन**' कहते हैं। आइए, '**एक-अनेक**' शब्दों के बारे में जानें-

एक		अनेक	
एक तितली		अनेक तितलियाँ	
एक गिलहरी		अनेक गिलहरियाँ	
एक लड़का		अनेक लड़के	
एक केला		अनेक केले	

जिन शब्दों से किसी प्राणी या वस्तु की संख्या का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

SAMPLE

वचन के प्रकार– वचन दो प्रकार के होते हैं–

वचन

1. एकवचन

2. बहुवचन

1. **एकवचन–** शब्द के जिस रूप से एक ही प्राणी या वस्तु का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं।

2. **बहुवचन–** शब्द के जिस रूप से एक से अधिक प्राणियों या वस्तुओं का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

उदाहरण–

1. घोड़ा दौड़ रहा है। (एकवचन)

घोड़े दौड़ रहे हैं। (बहुवचन)

2. लड़की नाच रही है। (एकवचन)

लड़कियाँ नाच रही हैं। (बहुवचन)

SAMPLE

कुछ एकवचन और उनके बहुवचन इस प्रकार हैं–

एकवचन		बहुवचन	एकवचन		बहुवचन
लड़का	–	लड़के	गुड़िया	–	गुड़ियाँ
ताला	–	ताले	चुहिया	–	चुहियाँ
कक्षा	–	कक्षाएँ	घड़ी	–	घड़ियाँ
पत्ता	–	पत्ते	सेना	–	सेनाएँ
ऋतु	–	ऋतुएँ	कविता	–	कविताएँ
बहन	–	बहनें	तस्वीर	–	तस्वीरें
कपड़ा	–	कपड़े	बोली	–	बोलियाँ
अध्यापिका	–	अध्यापिकाएँ	कवि	–	कविगण

आइए, यह भी जानें–

बच्चो! जब वचन बदलते हैं तो वचन के अनुसार वाक्य भी बदल जाता है; जैसे–

वाक्य– बच्चा खेल रहा है।

बदला हुआ रूप– बच्चे खेल रहे हैं।

वाक्य– पेड़ में फल लगा हुआ है।

बदला हुआ रूप– पेड़ में फल लगे हुए हैं।

आइए, पुनरावृति करें

- संज्ञा शब्दों के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे **वचन** कहते हैं।
- वचन दो प्रकार के होते हैं– एकवचन तथा बहुवचन।
- एकवचन से 'एक' का बोध होता है और बहुवचन से 'अनेक' का बोध होता है।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को वचन के बारे में विस्तारपूर्वक समझाइए तथा उनका अभ्यास कराएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) एकवचन क्या होते हैं?

(ख) बहुवचन किसे कहते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) मंदिर एकवचन है या बहुवचन? लिखिए।

(ख) 'पाठशाला' शब्द का बहुवचन लिखिए।

(ग) 'लड़कियाँ स्कूल जा रही हैं।' इसमें लड़कियाँ शब्द एकवचन या है बहुवचन? लिखिए।

2. अनेक का एक रूप लिखिए।

बालकों	–	....	चुहियाँ	–	....
कौए	–	....	टहनियाँ	–	....
कविगण	–	....	मालाएँ	–	....
मित्रों	–	....	आँखें	–	....

3. दिए गए वाक्यों को बहुवचन में बदलकर लिखिए।

(क) यह मेरी पुस्तक है। ....

(ख) कुत्ता भौंकता है। ....

(ग) फूल पर तितली मँडरा रही है। ....

(घ) बंदर केला खा रहा है। ....

SAMPLE

सोचें-विचारें

Critical Thinking

4. अपने परिवार के सदस्यों व रोज़मर्रा की ज़िंदगी की वस्तुओं को आप जिस नाम से जानते हैं, उनका बहुवचन रूप सोचकर बताइए।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. वचन के सही रूप पर (✓) का चिह्न लगाइए–

पेंसिल	–	पेंसिलें	☐	पेंसिलों	☐
सब्ज़ी	–	सब्ज़ियाँ	☐	सब्ज़ियों	☐
चुहिया	–	चुहियाँ	☐	चुहिए	☐
कमरे	–	कमरा	☐	कमरों	☐
आँख	–	आँखें	☐	आँखों	☐

SAMPLE

प्रेरणादायक मूल्य

Inspirational Value

अनेक दोस्तों की संगति करने से अच्छा है, किसी एक दोस्त से मित्रता करें जो आपका सहायक हो।

अध्याय 10

विलोम (विपरीतार्थक) शब्द
(Antonyms)

पढ़िए और समझिए

बच्चों! विलोम शब्द उन शब्दों को कहते हैं जो एक-दूसरे का '**विपरीत**' अर्थ प्रकट करते हैं अर्थात् जो एक-दूसरे का '**उल्टा**' अर्थ बताते हैं। दी गई कविता को ध्यान से पढ़िए-

घर में भैया एक तोता लाए।
दिन-रात वह शोर मचाए।
अपना-पराया वह पहचाने।
अच्छा और बुरा सब जाने।
अंदर-बाहर, ऊपर-नीचे, दूर-पास,
करता रहता सारे घर की सैर।
गंदगी में कभी न रहता,
सफ़ाई में ही रखता है पैर।

कविता में दिए गए रंगीन शब्दों को ध्यान से पढ़िए।

दिन-रात, अपना-पराया, अच्छा-बुरा, अंदर-बाहर, ऊपर-नीचे, दूर-पास, गंदगी-सफ़ाई आदि शब्द एक-दूसरे का उल्टा अर्थ बता रहे हैं। **अतः एक-दूसरे का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।**

SAMPLE

शब्द		विलोम	शब्द		विलोम
आया	×	गया	चढ़ना	×	उतरना
छोटी	×	बड़ी	अपना	×	पराया
बुद्धिमान	×	मूर्ख	सही	×	गलत
वीर	×	कायर	इधर	×	उधर
अँधेरा	×	रोशनी	देशी	×	विदेशी
अंदर	×	बाहर	खरीदना	×	बेचना
आलसी	×	परिश्रमी	प्रश्न	×	उत्तर
एक	×	अनेक	बंद	×	खुला
कोमल	×	कठोर	यहाँ	×	वहाँ
अमीर	×	गरीब	भारी	×	हल्का
ईमानदार	×	बेईमान	कच्चा	×	पक्का
आधा	×	पूरा	बूढ़ा	×	जवान

आइए, पुनरावृति करें

- एक-दूसरे का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।
- विलोम शब्दों को 'विपरीतार्थक' शब्द भी कहते हैं।
- कुछ विलोम शब्द जोड़े के रूप में प्रयोग किए जाते हैं; जैसे- आना-जाना, ऊपर-नीचे आदि।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को विलोम शब्दों की जानकारी दें एवं उनका अभ्यास कराएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) विलोम शब्द किसे कहते हैं?

(ख) ऊपर, योग्य एवं अंधकार शब्दों के विलोम शब्द बताइए।

(ग) आप विलोम शब्दों को और किस नाम से जानते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

   (क) विलोम शब्द किसे कहते हैं?

   (ख) जोड़े के रूप में प्रयोग किए जाने वाले विलोम शब्दों को लिखिए।

2. **वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

   (क) विवेक बहुत अमीर है, परंतु उसकी बहन .... है।

   (ख) हर्ष लंबा है और अमित .... है।

   (ग) संसार में सुख और .... तो चलता ही रहता है।

   (घ) हिंदी का प्रश्न-पत्र बहुत सरल था, परंतु गणित का बहुत ....।

3. **दिए गए शब्दों को ध्यानपूर्वक देखिए और उनके विलोम शब्दों पर सोच-समझकर गोला (○) लगाइए-**

(क)	प्रसन्न	-	अप्रसन्न (गोला लगा है)	सुख	गुस्सा
(ख)	भारी	-	नीचा	हल्का	कोमल
(ग)	न्याय	-	न्यायालय	अन्याय	बुरा न्याय
(घ)	सुबह	-	दोपहर	रात	शाम

SAMPLE

सोचें-विचारें

Critical Thinking

4. **कुछ प्रमुख विलोम शब्दों को सोचकर बताइए जो आपको सदैव उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करते हैं?**

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. **पेड़ पर लगे हुए फलों में से विलोम शब्दों के सही युग्म की पहचान कर उचित स्थान पर लिखिए।**

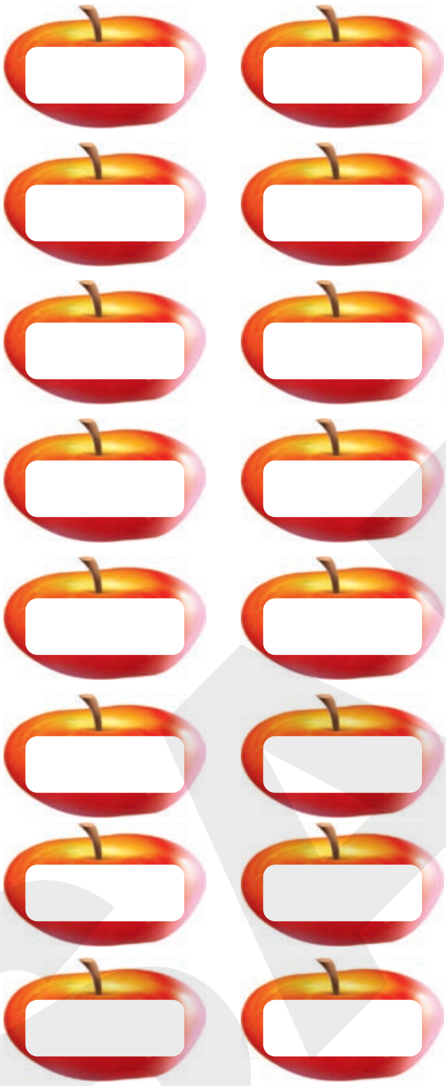

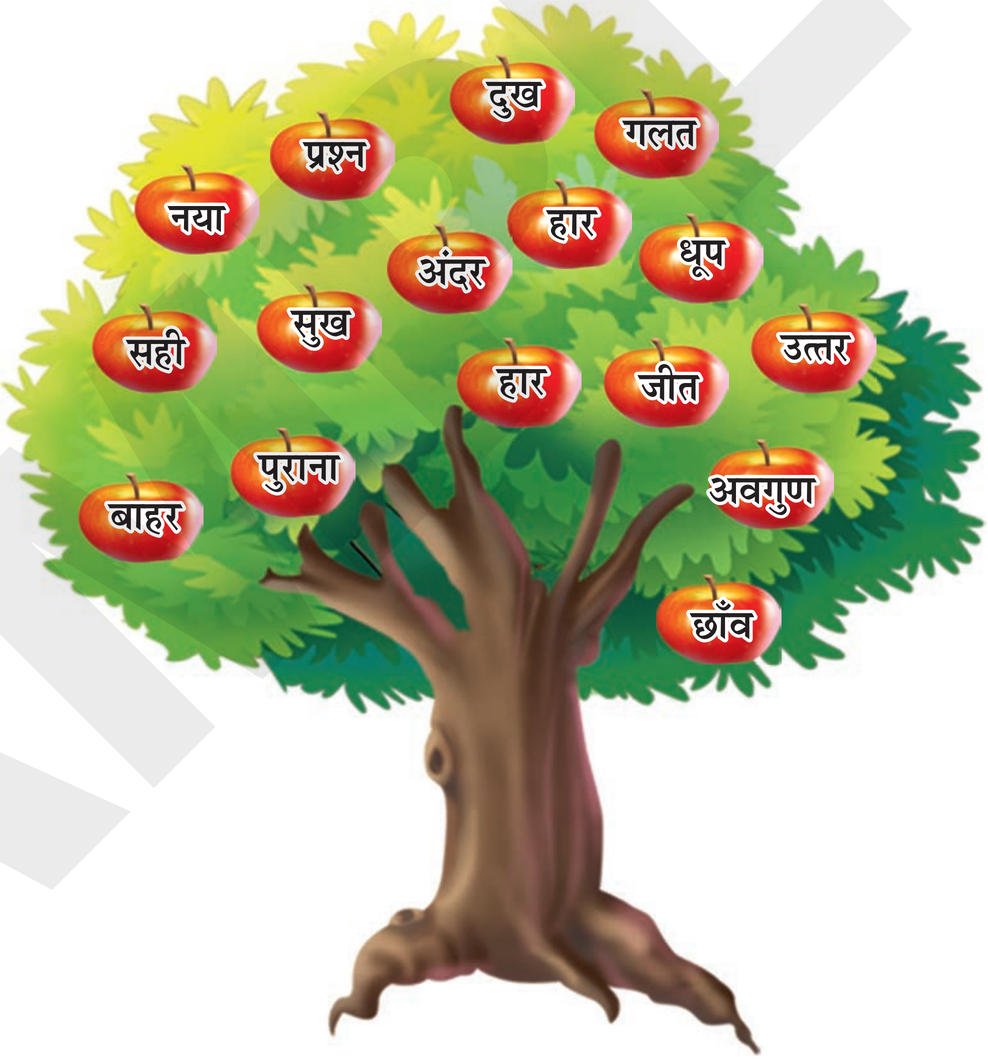

प्रेरणादायक मूल्य

Inspirational Value

उल्टे अर्थ वाले शब्द बनाइए परंतु जीवन के प्रति अपनी सोच को सदैव सीधी दिशा में (सकारात्मक) रखिए।

अध्याय 11

पर्यायवाची (समान अर्थ वाले) शब्द (Synonyms)

पढ़िए और समझिए

बच्चों! पर्यायवाची शब्दों को समान अर्थ देने वाले शब्द या समानार्थी शब्द भी कहते हैं। ये शब्द अलग-अलग होते हुए भी समान अर्थ बताते हैं; जैसे-

आपने देखा, यहाँ फूल-पुष्प और मित्र-दोस्त एक जैसा अर्थ बता रहे हैं। ये नाम अलग-अलग होते हुए भी इनका अर्थ समान है। आइए, इसे विस्तार से समझने का प्रयास करते हैं-

घर - गृह, मकान

माँ - माता, जननी

सूरज - सूर्य, रवि

SAMPLE

पेड़ - वृक्ष, तरु   फूल - पुष्प, सुमन   पानी - जल, नीर

नीचे कुछ समान अर्थ वाले शब्द दिए गए हैं। इन्हें पढ़िए और समझिए-

शब्द		समान अर्थ वाले शब्द	शब्द		समान अर्थ वाले शब्द
पुत्री	-	बेटी, लड़की	राजा	-	नरेश, नृप
वर्षा	-	बारिश, बरसात	कपड़ा	-	वस्त्र, चीर
पहाड़	-	पर्वत, गिरि	बाग़	-	बगीचा, उपवन
आँख	-	नेत्र, नयन	पाठशाला	-	विद्यालय, स्कूल
धरती	-	भूमि, ज़मीन	शरीर	-	तन, देह
आदमी	-	नर, मनुष्य	संसार	-	दुनिया, जगत
पुस्तक	-	किताब, ग्रंथ	आकाश	-	गगन, आसमान

आइए, पुनरावृति करें

- समान अर्थ बताने वाले शब्दों को पर्यायवाची और समानार्थी शब्द भी कहते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पर्यायवाची शब्दों के बारे में उदाहरण सहित समझाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) पर्यायवाची शब्द को और किस नाम से जाना जाता है?

(ख) आप अपनी माँ को और किस नाम से बुलाते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) 'पथ' के कोई दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(ख) वायु हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। वायु को आप और किस नाम से जानते हैं? लिखिए।

(ग) 'गगन' और 'नभ' किसके पर्यायवाची हैं? लिखिए।

2. चित्रों को देखिए और समान अर्थ वाले शब्द लिखिए।

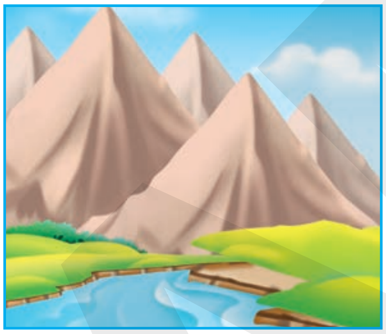

पहाड़- ....

फूल - ....

नदी - ....

सूरज - ....

SAMPLE

सोचें-विचारें

Critical Thinking

3. क्या आपके नाम का कोई अर्थ है? यदि हाँ, तो समान अर्थ देने वाले अलग-अलग शब्द बताइए।

खेल-खेल में

Creative Thinking

4. दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। इसमें दिखाई देने वाली कितनी वस्तुओं या प्राणियों के कम-से-कम दो-दो नाम आप बता सकते हैं?

समान अर्थ वाले शब्द

1. .... 2. ....

3. .... 4. ....

5. .... 6. ....

प्रेरणादायक मूल्य

जिस प्रकार अलग-अलग शब्द समान अर्थ प्रकट करते हैं, उसी प्रकार रंग, रूप, भाषा या धर्म अलग-अलग होने पर भी हम एक हैं और भारतवासी के रूप में जाने जाते हैं।

SAMPLE

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
(One Word Substitutions)

अध्याय 12

पढ़िए और समझिए

बच्चों! हम भाषा को प्रभावशाली और छोटा बनाने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग करते हैं, ऐसे शब्दों को अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते हैं।

जो जूते ठीक करे- **मोची**

जो खेती करे- **किसान**

जो सोने के गहने बनाए- **सुनार**

जो लोहे की चीज़ें बनाए- **लुहार**

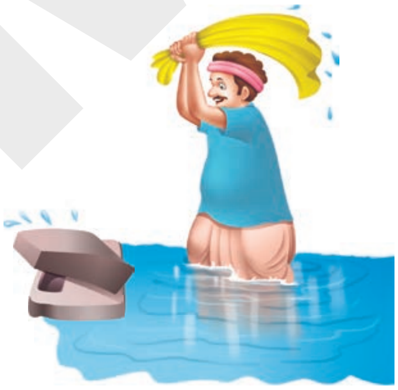

जो कपड़े धोए- **धोबी**

जो मूर्ति बनाए- **मूर्तिकार**

अर्थात् समूह के लिए प्रयोग किया जाने वाला एक शब्द **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द** कहा जाता है।

SAMPLE

नीचे कुछ 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' दिए गए हैं। इनका विस्तारपूर्वक अध्ययन कीजिए–

जो सेवा करता है	–	सेवक
जो विद्यालय में पढ़ाते हैं	–	शिक्षक
जो लकड़ी की चीज़ें बनाए	–	बढ़ई
जो रोगियों का इलाज़ करे	–	चिकित्सक
जहाँ पुस्तकें रखी जाती हैं	–	पुस्तकालय
कक्षा में साथ पढ़ने वाला	–	सहपाठी
जो संगीत का ज्ञाता हो	–	संगीतज्ञ
जो पत्र बाँटता है	–	डाकिया
जिसके आने की तिथि न हो	–	अतिथि
जो हिंसा करता है	–	हिंसक
जो दूसरों पर अत्याचार करे	–	अत्याचारी
जिसके हृदय में दया हो	–	दयावान
जो भगवान में विश्वास रखे	–	आस्तिक
जिसका कोई मूल्य न हो	–	अमूल्य
इतिहास से संबंधित	–	ऐतिहासिक
अपने परिवार के साथ	–	सहपरिवार

आइए, पुनरावृति करें

- शब्द समूह के लिए प्रयोग किए गए शब्द को 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहते हैं।
- अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करने से भाषा सुंदर और प्रभावशाली बनती है।

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ का अध्ययन विस्तारपूर्वक कराएँ साथ ही 'अनेक शब्दों के बदले एक शब्द' में शामिल वाक्यांशों के आधार पर कुछ नए शब्दों से बच्चों को अवगत कराएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) सेवा करने वाले को क्या कहा जाता है?

(ख) पत्र बाँटने वाला कौन होता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' किसे कहते हैं?

(ख) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग क्यों किया जाता है?

2. उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(क) जो लोहे की चीज़ें बनाता है–

☐ कुम्हार ☐ सुनार

☐ लुहार ☐ इनमें से कोई नहीं

(ख) जो सोने के गहने बनाता है–

☐ सुनार ☐ धोबी

☐ मूर्तिकार ☐ सहपरिवार

(ग) जो जूते ठीक करता है–

☐ किसान ☐ मोची

☐ धोबी ☐ बढ़ई

(घ) जो खेती करता है–

☐ लुहार ☐ किसान

☐ सुनार ☐ डाकिया

SAMPLE

(ङ) जो मूर्ति बनाता है–

☐ चित्रकार ☐ मूर्तिकार

☐ कुम्हार ☐ दयावान

सोचें-विचारें

Critical Thinking

3. हिंदी व्याकरण में अनेक शब्दों के बदले एक शब्द का प्रयोग क्यों किया जाता है? सोच-समझकर बताइए।

खेल-खेल में

Creative Thinking

4. दिए गए शब्दों के लिए उचित शब्द का मिलान कीजिए।

(क) जो कभी न मरे	(i)	हलवाई
(ख) जो कक्षा में पढ़ाता है	(ii)	रसोइया
(ग) जो सदा सच बोलता है	(iii)	अदृश्य
(घ) जो सब्ज़ी बेचता है	(iv)	धर्मात्मा
(ङ) जो दिखाई न दे	(v)	अमर
(च) जो धर्म का काम करे	(vi)	शिक्षक
(छ) जो खाना पकाता है	(vii)	सत्यवादी
(ज) जो मिठाइयाँ बनाता है	(viii)	सब्ज़ीवाला

प्रेरणादायक मूल्य

प्रत्येक मनुष्य के अंदर कई प्रकार के गुण होते हैं, लेकिन उसका शरीर एक होता है। इसलिए हमें सदैव अच्छे गुणों पर निर्भर रहना चाहिए।

SAMPLE

अध्याय 13

गिनती, दिन और महीने (Counting, Days and Months)

पढ़िए और समझिए

गिनती

गिनती वस्तुओं को गिनने के काम आती है। यह वस्तुओं की संख्या के बारे में बताती है।

बच्चों! 'गिनती' एक क्रिया शब्द है। प्रत्येक भाषा में गिनती को विभिन्न प्रकार से लिखा जाता है।

अंग्रेज़ी अंक	हिंदी अंक	संख्या शब्द	चित्र संख्या
1	१	एक	
2	२	दो	
3	३	तीन	
4	४	चार	
5	५	पाँच	
6	६	छह	
7	७	सात	
8	८	आठ	
9	९	नौ	
10	१०	दस	

SAMPLE

अंग्रेज़ी अंक	हिंदी अंक	संख्या शब्द	चित्र संख्या
11	११	ग्यारह	
12	१२	बारह	
13	१३	तेरह	
14	१४	चौदह	
15	१५	पंद्रह	
16	१६	सोलह	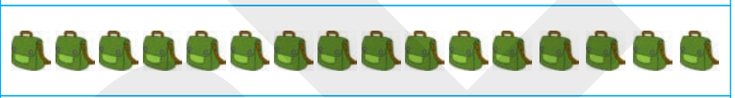
17	१७	सत्रह	
18	१८	अठारह	
19	१९	उन्नीस	
20	२०	बीस	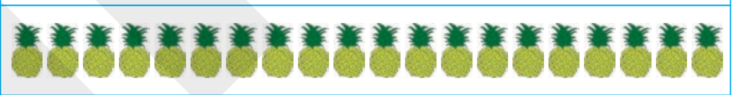

दिनों के नाम

दिन और रात को मिलाकर एक दिन बनता है। सात दिनों को मिलाकर एक सप्ताह बनता है। चार सप्ताह मिलकर एक महीना बनता है और बारह महीनों को मिलाकर एक साल (वर्ष) बनता है। हर दिन तथा हर महीने का एक नाम होता है, परंतु किसी-किसी दिन के एक से अधिक नाम भी होते हैं।

आइए, सप्ताह के सात दिनों के नामों के विषय में जानें–

सप्ताह

1 सोमवार
2 मंगलवार
3 बुधवार
4 बृहस्पतिवार/गुरुवार
5 शुक्रवार
6 शनिवार
7 रविवार

SAMPLE

महीनों के नाम

बच्चो! एक वर्ष में बारह महीने होते हैं। सभी महीनों का एक निश्चित क्रम होता है। आइए, महीनों के नामों को जानें–

जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
31	28/29	31	30	31	30	31	31	30	31	30	31

कैलेंडर–2024

जनवरी

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

फरवरी

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29		

मार्च

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

अप्रैल

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

मई

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

जून

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

जुलाई

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

अगस्त

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

सितंबर

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

अक्टूबर

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

नवंबर

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

दिसंबर

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

आइए, पुनरावृति करें

- प्रत्येक भाषा में गिनती को भिन्न–भिन्न तरीके से लिखा जाता है।
- एक साल में 12 महीने होते हैं।
- प्रत्येक महीने में 30 या 31 दिन होते हैं केवल फरवरी में 28 दिन होते हैं।
- चार वर्षों के बाद फरवरी में 29 दिन होते हैं। उस वर्ष को लीप वर्ष कहते हैं।

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को गिनती, दिन और महीनों को उच्चारण सहित याद करवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य
Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) एक से बीस तक गिनती सुनाइए। (ख) दिनों के नाम क्रमानुसार बोलकर बताइए।
(ग) महीनों के नाम बोलकर सुनाइए। (घ) 'लीप वर्ष' किसे कहते हैं?

लेखन कार्य
Writing Skills

1. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) मेरा जन्म दिन .... महीना .... और वर्ष .... को हुआ था।

(ख) बुधवार से पहले ....आता है।

(ग) बृहस्पतिवार का दूसरा नाम .... है।

2. एक से बीस तक हिंदी गिनती अंकों में लिखिए।

शब्दों में	एक	दो	तीन	चार	पाँच	छह	सात	आठ	नौ	दस
अंकों में										
शब्दों में	ग्यारह	बारह	तेरह	चौदह	पंद्रह	सोलह	सत्रह	अठारह	उन्नीस	बीस
अंकों में										

सोचें-विचारें
Critical Thinking

3. क्या आप बिना जीरो के गिनती की कल्पना कर सकते हैं? और क्यों? सोचकर बताइए।

खेल-खेल में
Creative Thinking

4. अपनी कक्षा के सभी छात्र-छात्राओं के जन्मदिन, महीना और वर्ष पूछकर एक सुंदर चार्ट बनाइए और कक्षा में लगाइए। आने वाले जन्मदिन की तारीख पर (☆) बनाइए।

प्रेरणादायक मूल्य

समय का सम्मान कीजिए, तभी समय हमारा सम्मान करेगा।

SAMPLE

अध्याय 14

रचनात्मक लेखन
(Creative Writing)

पढ़िए और समझिए

(क) चित्र-वर्णन (Picture Description)

चित्र को देखकर पहचानिए कि इसमें आपको क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

चित्र-वर्णन–

- यह एक पार्क का दृश्य है।
- एक लड़का और लड़की झूला झूल रहे हैं।
- दोनों बहुत खुश हैं।
- एक लड़का अपने कुत्ते के साथ खेल रहा है।
- आकाश में बादल छाए हुए हैं।
- सूरज बादलों से झाँक रहा है।
- पक्षी उड़ रहे हैं।

SAMPLE

1. **चित्र और उसके सहायक शब्दों को देखकर चित्र-वर्णन कीजिए।**

मेला

चित्र-वर्णन–

यह एक .... का दृश्य है। दो बच्चे .... झूल रहे हैं। एक लड़की .... खा रही है। मेले में .... सबको हँसा रहा है। दो लोग .... बजा रहे हैं। एक लड़की .... रही है। हलवाई .... बना रहा है।

2. **चित्र को देखकर पहचानिए कि आप यहाँ किसको देख रहे हैं?**

चित्र-वर्णन–

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

3. दिए गए चित्र को देखकर वाक्य रचना कीजिए।

चित्र-वर्णन–

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

SAMPLE

(ख) कहानी लेखन (Story Writing)

किसी घटना को छोटा-सा रूप देकर रोचक तरीके से लिखना ही कहानी लेखन कहलाता है। कहानियाँ काल्पनिक या वास्तविक घटनाओं पर आधारित हो सकती हैं। कहानी सरल भाषा और चित्रों की सहायता से लिखनी चाहिए। याद रखें, कहानी सदा शिक्षा प्रदान करने वाली हो। कहानी लिखना एक कला है और यह हमें अवश्य सीखनी चाहिए।

आइए, कुछ सहायक शब्दों और चित्रों के माध्यम से कहानी लिखना सीखें।

1. टोपीवाला और नकलची बंदर

सहायक शब्द–

टोपियाँ पेड़ नींद बंदरों टोकरी टोपी वाले बंदर उपाय सूझा टोपी

एक गाँव में एक टोपियाँ बेचने वाला रहता था। एक बार वह एक बड़ी-सी 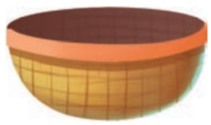

.... में रंग-बिरंगी .... लेकर बेचने जा रहा था। वह थक

गया था, इसलिए आराम करने के लिए एक .... की छाँव में लेट गया।

जल्दी ही उसे .... आ गई।

उस .... पर .... का एक समूह रहता था।

.... की टोकरी देखकर वे .... से नीचे उतर आए और

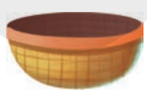 .... में से .... निकालकर पहन लीं।

SAMPLE

.... पहनकर वे उछलकूद मचाने लगे, जिससे ....

की नींद खुल गई। .... पहने हुए .... देखकर वह चिंतित

हो गया और अपना सिर खुजाने लगा। तभी उसने देखा कि .... भी अपना सिर

खुजा रहे हैं। यह देखकर 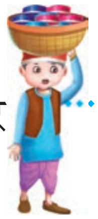 .... ने अपना सिर पीट लिया। नकलची ....

भी अपना सिर पीटने लगे। तभी .... को एक उपाय सूझा और उसने अपनी

.... उतारकर टोकरी में फेंक दी। यह देखते ही नकलची बंदरों ने भी

अपनी-अपनी .... उतारकर 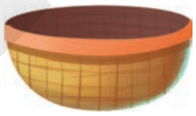 .... में फेंक दीं।

.... ने जल्दी से सारी टोपियाँ इकट्ठी कीं और वहाँ से चलता बना।

सीख- समझदारी से हर समस्या का समाधान संभव है।

2. दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों को भरकर कहानी को पूरा कीजिए।

सहायक शब्द-

जंगल	पेड़	घोंसले	भीषण आग	जानवर	भागने लगे
नन्हीं चिड़िया	जंगल की आग	हँसने लगे	नहीं भागूँगी	क्षमा	
बुझ गई	मेहनत सफल	छिड़क दिया	नदी	नहीं बुझेगी	
प्रयास करूँगी	जानवरों	प्राण बचाकर	अहसास	आग बुझाने	
मेरा घर					

SAMPLE

3.

नन्हीं-चिड़िया

एक घना जंगल था। .... में एक नन्हीं चिड़िया एक .... पर अपने .... में रहती थी। एक दिन जंगल में .... लग गई। सभी ....

अपनी-अपनी जान बचाकर .... । परंतु .... घबराई नहीं। वह तुरंत नदी से अपनी चोंच में पानी भर लाई और आग पर .... । इस तरह .... से अपनी चोंच में पानी भरकर बार-बार वह .... में डालने लगी।

जब दूसरे .... ने उसे ऐसा करते देखा तो वे .... और बोले, "अरे चिड़िया रानी, जंगल की आग ऐसे .... । मूर्खता छोड़ो और .... भागो।" उनकी बातें सुनकर नन्हीं चिड़िया बोली, "मैं .... । यह जंगल .... है और मैं इसकी रक्षा के लिए पूरा .... । फिर कोई मेरा साथ दे या न दे।" चिड़िया की बात सुनकर सभी जानवरों को अपनी गलती का .... हुआ। सभी ने नन्हीं चिड़िया से .... माँगी और उसके साथ जंगल में लगी .... के प्रयास में लग गए। अंततः उनकी .... हुई और जंगल की आग .... ।

सीख – विपत्ति चाहे कितनी भी बड़ी हो, बिना प्रयास किए कभी हार नहीं माननी चाहिए।

SAMPLE

अध्याय 15

पत्र-लेखन
(Letter Writing)

पढ़िए और समझिए

बच्चों! पत्र के द्वारा हम अपनी सूचना या संदेश दूसरों तक पहुँचाते हैं। पत्र के माध्यम से हम संदेश को मित्रों, रिश्तेदारों आदि तक पहुँचाते हैं। जबकि कई बार हमें अपने विद्यालय और कार्यालय को भी पत्र लिखना पड़ता है।

पत्र लिखते समय ध्यान रखने वाली कुछ विशेष बातें-

- पत्र की भाषा सरल होनी चाहिए।
- उचित संबोधन का प्रयोग करना चाहिए।
- पत्र साफ़ और स्पष्ट शब्दों में लिखा होना चाहिए।
- पत्र में बात कम शब्दों में कही जानी चाहिए।

पत्रों के प्रकार

पत्र दो प्रकार के होते हैं-

पत्र
- औपचारिक
- अनौपचारिक

औपचारिक पत्र- ऐसे पत्र जो किसी दफ़्तर, अधिकारी, प्रधानाचार्य, संपादक आदि को लिखे जाते हैं।

अनौपचारिक पत्र- वे पत्र जो अपने घरवालों, मित्रों तथा रिश्तेदारों के लिए लिखे जाते हैं।

अध्यापन संकेत विद्यार्थियों को पत्रों के बारे में बताएँ तथा उन्हें पोस्टकार्ड और लिफ़ाफ़ा आदि दिखाकर उस पर नाम, पता आदि लिखना सिखाएँ।

SAMPLE

आइए, पत्रों के कुछ उदाहरण का विस्तारपूर्वक अध्ययन करते हैं-

1. प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र

सेवा में,

प्रधानाध्यापक
डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल
बलिया, उत्तर प्रदेश।

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन है, कि आपके विद्यालय में कक्षा द्वितीय 'ए' का छात्र हूँ। मुझे कल रात से तेज़ बुखार है तथा डॉक्टर ने मुझे आराम करने की सलाह दी है। अतः मुझे दिनांक 12 अगस्त, 20..... से 14 अगस्त, 20.... तक (3 दिन) का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
विकास कुमार
कक्षा- द्वितीय 'ए'
12.08.20.....

2. अपने पिता जी को वार्षिक परीक्षा में प्राप्त अंकों को बताते हुए पत्र।

छात्रावास
सेंट थॉमस स्कूल, पीतमपुरा
दिल्ली-34

SAMPLE

30 मार्च, 20......

पूज्य पिता जी,

सादर प्रणाम।

मैं यहाँ पर कुशलपूर्वक हूँ। आशा है आप सब भी वहाँ पर कुशलपूर्वक होंगे। आज ही मेरा वार्षिक परीक्षा का परीक्षाफल आया है और मैं 97 प्रतिशत प्राप्तांक से उत्तीर्ण हो गया हूँ।

माता जी को चरर्ण स्पर्श तथा छोटी बहन प्रिया को प्यार।

आपका पुत्र
रीतेश

3. जन्मदिन के लिए मित्र को निमंत्रित करते हुए पत्र।

840, राजेंद्र नगर,
'सी' ब्लॉक
पटना, बिहार।
9 दिसंबर, 20.......

प्रिय सुदेश,

नमस्ते।

तुम्हें याद ही होगा कि मेरा जन्मदिन 16 दिसंबर को है। इस बार हम अपने घर पर ही कुछ संबंधियों और मित्रों के साथ जन्मदिन मनाएँगे। तुम्हें इस मौके पर अवश्य आना है। मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करूँगा। तुम सात बजे तक अवश्य पहुँच जाना।

तुम्हारा मित्र
वेदांत

SAMPLE

4. रुपए मँगवाने के लिए बड़े भाई को पत्र।

छात्रावास, विकासपुरी

दिल्ली।

20 अक्टूबर, 20.....

आदरणीय भैया,

सादर प्रणाम।

आपको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मैं त्रैमासिक परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम आया हूँ। अब मुझे और अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए अन्य सहायक पुस्तकें खरीदनी हैं। इसलिए आप कम-से-कम 2000 रुपए की राशि भेज दें।

आपका अनुज

संदीप

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

1. अपनी कुशलता बताते हुए माता जी को लिखे गए पत्र को उचित वाक्यांशों के साथ पूरा कीजिए।

....

....

19 दिसंबर, ...

....

सादर चरण स्पर्श,

मैं यहाँ पर सकुशल हूँ। आपकी कुशलता .... से शुभ चाहता हूँ। मेरा स्वास्थ्य .... और मैं दिल लगाकर .... हूँ।

आशा है कि घर पर सब .... । पिता जी को मेरा प्रणाम तथा .... को प्यार।

आपका ....

....

2. अपने भाई के विवाह कार्यक्रम के अवसर पर प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र लिखकर पत्र को पूरा कीजिए।

....

....

....

आदरणीय महोदय,

.... यह है कि मेरे बड़े भाई का विवाह दिनांक .... को होना तय हुआ है। इस कारण मैं तीन दिन विद्यालय .... । कृपया मुझे दिनांक .... से .... तक का .... कृपा करें।

धन्यवाद।

आपका ....

....

16 नवंबर, 20......

3. दिए गए विषयों पर पत्र लिखिए।

(क) कक्षा में प्रथम आने की सूचना देते हुए पिता जी को पत्र।

(ख) स्थानांतरण प्रमाण-पत्र जारी करवाने हेतु प्रार्थना पत्र।

SAMPLE

अध्याय 16

श्रवण कौशल (गतिविधि)
(Listening Skill Activities)

पढ़िए और समझिए

1. **दी गई कविता को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ और उनसे प्रश्न पूछें।**

गुड़िया रानी

मैं हूँ छोटी-सी गुड़िया रानी,
छोटा-सा राजा भैया मेरा।
मुझको है मेरा भैया प्यारा,
ये है माँ की आँखों का तारा।

मम्मी-पापा मेरे प्यारे,
दोनों हैं दिल के सच्चे।
आप भी आओ घर हमारे,
खुश हो जाएँगे हम बच्चे।

प्रश्न :

(क) गुड़िया रानी कैसी है?
(ख) गुड़िया का भैया कैसा है?
(ग) कौन किसकी आँखों का तारा है?
(घ) गुड़िया के मम्मी-पापा कैसे हैं?
(ङ) गुडिया सबसे क्या कह रही है?

SAMPLE

2. दी गई कहानी को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ और उनसे प्रश्न पूछें।

घमंडी बारहसिंगा

एक दिन बहुत गरमी थी। जंगल में एक बारहसिंगा को बहुत प्यास लगी। वह एक तालाब से पानी पीने गया। उसने पानी में देखा तो उसे अपने सींग बहुत सुंदर दिखाई दिए। वह खुश हो गया। फिर उसने अपने पैरों को देखा तो वे पतले और भद्दे थे। इन्हें देखकर वह दु:खी हो गया।

एक दिन एक शिकारी आया। बारहसिंगा जान बचाने के लिए भागा। रास्ते में उसके सुंदर सींग झाड़ियों में उलझ गए। उसने बहुत प्रयत्न किया, परंतु सींगों को छुड़ा नहीं पाया। इतने में शिकारी आ गया और उसने बारहसिंगा को पकड़ लिया। उसके पतले और भद्दे पैर उसकी जान बचाना चाहते थे, परंतु अपने उन्हीं सुंदर सीगों के कारण वह पकड़ा गया, जिन पर उसे घमंड था।

सीख– किसी भी चीज़ पर अभिमान नहीं करना चाहिए।

प्रश्नः

(क) बारहसिंगा तालाब पर क्यों गया?

(ख) क्या देखकर वह खुश हो गया?

(ग) बारहसिंगा दु:खी क्यों हो गया?

(घ) शिकारी ने बारहसिंगा को कैसे पकड़ा?

(ङ) कहानी से आपने क्या सीखा?

3. दी गई कहानी को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ और उनसे प्रश्न पूछें।

कुत्ते का लालच

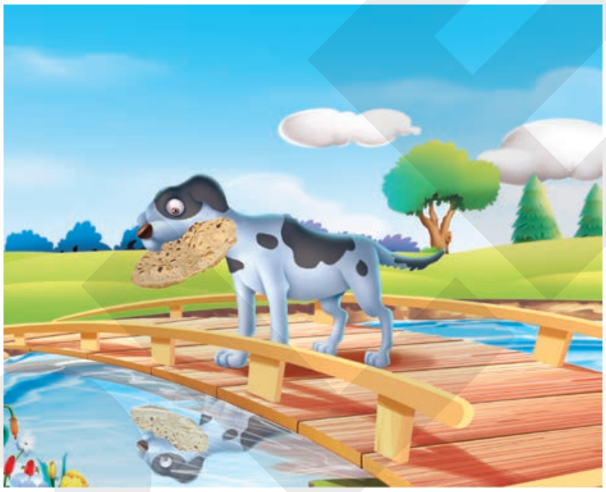

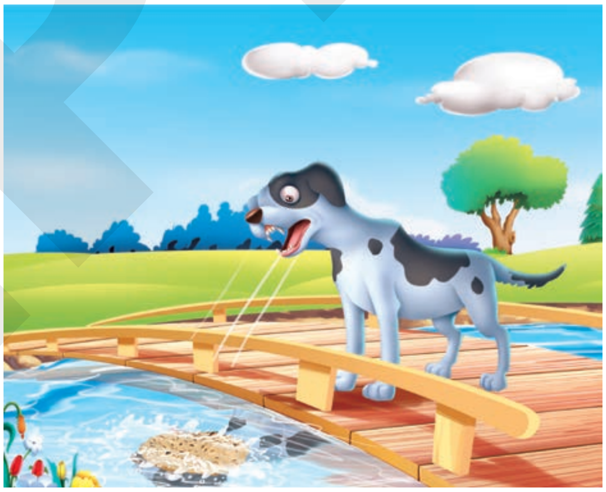

एक कुत्ता था। वह बहुत लालची था। प्रतिदिन होटल पर जाता और रोटी का टुकड़ा चुरा लेता। एक बार दुकानदार ने उसे रोटी चुराते देख लिया। वह उसके पीछे दौड़ा मगर कुत्ता भाग निकला। कुत्ता भागता हुआ एक नदी के किनारे जा पहुँचा। नदी के जल में उसने अपनी परछाईं देखी। परछाईं को देखकर उसने समझा कि यह दूसरा कुत्ता है और उसके मुँह में भी रोटी का टुकड़ा है। कुत्ते ने सोचा, ''यदि इस टुकड़े को मैं खा लूँ, तो मेरा पेट भर जाएगा। यह सोचकर वह अपनी परछाईं पर झपटा। जैसे ही उसने भौंकने के लिए मुँह खोला, उसका अपना टुकड़ा भी पानी में जा गिरा। अब उसके पास पछताने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं था। उसे भूखा ही रहना पड़ा।

सीख– लालच बुरी बला है।

प्रश्नः

(क) कुत्ता क्या चुराता था?

(ख) कुत्ता क्यों भाग रहा था?

(ग) कुत्ता भागता हुआ कहाँ पहुँचा?

(घ) कुत्ता क्यों भौंकने लगा?

एकता में ही बल है

बहुत समय पहले की बात है। रामपुर नामक गाँव में रामलाल नामक एक बूढ़ा किसान रहता था। उसके चार बेटे थे– रोहन, मोहन, सोहन और करण। वे सदा आपस में झगड़ते रहते थे। किसान उन चारों का यह व्यवहार देखकर बहुत दु:खी होता था। एक दिन किसान बीमार पड़ गया। उसने अपने चारों बेटों को अपने पास बुलाया और अपने बेटे से लकड़ियों का एक गट्ठर मँगवाया। बेटा पिता के कहने पर लकड़ियों का गट्ठर ले आया। किसान ने अपने एक–एक करके चारों बेटों से गट्ठर को तोड़ने के लिए कहा परंतु कोई भी बेटा गट्ठर को न तोड़ सका। तब किसान ने उस गट्ठर को खुलवा दिया और अपने बेटों से एक–एक लकड़ी तोड़ने को कहा। सभी ने एक–एक लकड़ी आसानी से तोड़ डाली। तब किसान ने अपने बेटों को समझाया और आपस में मिल–जुलकर रहने की शिक्षा दी। चारों बेटों ने पिता की बात मान ली और आपस में मिल–जुलकर रहने लगे।

सीख– एकता में ही सर्वोच्च ताकत होती है।

प्रश्न:

(क) किसान किस गाँव में रहता था?

(ख) किसान के कितने बेटे थे?

(ग) अपने बेटे से किसान ने क्या मँगवाया?

(घ) कहानी से आपको क्या सीख मिलती है?

SAMPLE

स्वमूल्यांकन पत्र-1

नाम : .... **कक्षा :** .... **अनुक्रमांक :** ....

1. दिए गए प्रश्नों को पढ़कर उचित विकल्प के सामने (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) ट्रैफिक पुलिसवाला गाड़ी चलाने वालों को अपनी बात समझाने के लिए भाषा के किस रूप का प्रयोग करता है?

☐ मौखिक ☐ लिखित ☐ सांकेतिक ☐ इनमें से कोई नहीं

(ख) भाषा की सबसे छोटी इकाई कौन-सी होती है?

☐ स्वर ☐ व्यंजन ☐ वर्ण ☐ इनमें से कोई नहीं

(ग) 'र' के साथ 'उ' और 'ऊ' की मात्राएँ कहाँ लिखी जाती हैं?

☐ ऊपर ☐ मध्य में ☐ नीचे ☐ इनमें से कोई नहीं

(घ) शब्दों के सार्थक मेल को क्या कहा जाता है?

☐ वाक्य ☐ शब्द ☐ वर्णमाला ☐ इनमें से कोई नहीं

2. दिए गए वाक्यों के सामने सही (✓) या गलत (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) जिन शब्दों से स्त्री या पुरुष जाति के होने का पता चले, उन्हें लिंग कहते हैं। ☐

(ख) वचन तीन प्रकार के होते हैं- 1. एकवचन, 2. दोवचन, 3. बहुवचन। ☐

(ग) वाक्यों के सही मेल से भाषा बनती है। ☐

(घ) 'ओ' की मात्रा के लिए (ु) का चिन्ह लगाया जाता है। ☐

(ङ) बोलते समय मुख से निकलने वाली ध्वनि को शब्द कहा जाता है। ☐

3. दिए गए वाक्यों में सही शब्द का चयन करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

अर्थ वर्णमाला बहुवचन बोली मात्रा

(क) पशु-पक्षियों की भाषा को .... कहते हैं।

(ख) वर्णों के निश्चित क्रम को .... कहते हैं।

(ग) स्वरों के निश्चित चिन्ह .... कहलाते हैं।

(घ) प्रत्येक शब्द और वाक्य का एक .... होता है।

(ङ) एक से अधिक संख्या बताने वाले शब्द .... कहलाते हैं।

SAMPLE

4. **चित्रों को ध्यानपूर्वक देखकर उनके लिंग से मिलाइए।**

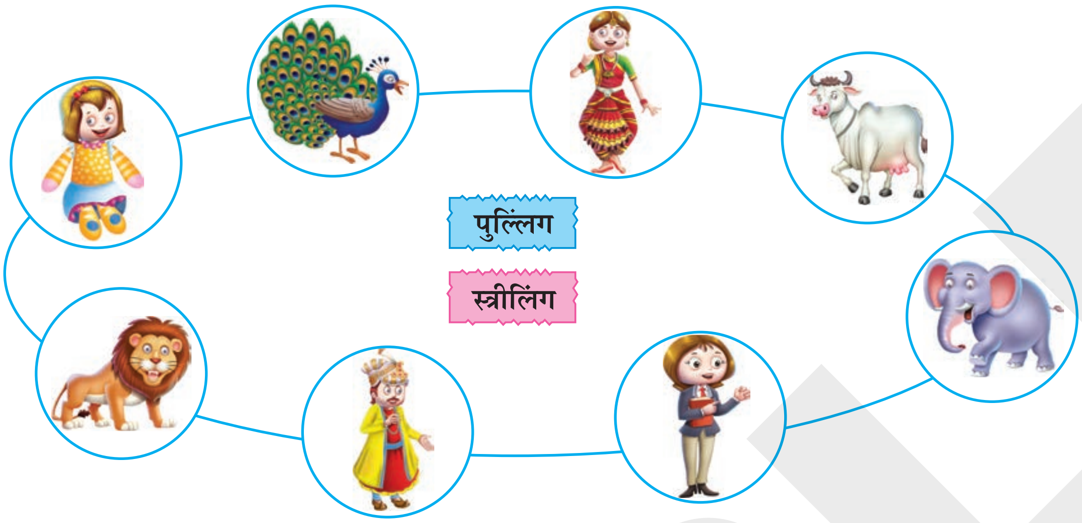

5. **दिए गए शब्दों को उनके वचन के अनुसार लिखिए।**

बच्चा   किताबें   लड़कियाँ   पौधा   चिड़िया   कुरसियाँ   माताएँ   घोड़ा

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
....	....	....	....
....	....	....	....

6. **दिए गए चित्र में स्वर और व्यंजन के फल दिए गए हैं। उन्हें पुस्तक के उचित पृष्ठ पर लिखिए।**

SAMPLE

स्वमूल्यांकन पत्र-2

नाम : .... कक्षा : .... अनुक्रमांक : ....

1. दिए गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) कैसा और कितना बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

☐ वचन ☐ विशेषण ☐ सर्वनाम ☐ संज्ञा

(ख) किसी काम को करने या होने को क्या कहा जाता है?

☐ पर्यायवाची ☐ विशेषण ☐ क्रिया ☐ सर्वनाम

(ग) एक जैसे अर्थ देने वाले अलग-अलग शब्द क्या कहलाते हैं?

☐ पर्यायवाची ☐ विलोम ☐ सर्वनाम ☐ संज्ञा

(घ) एक-दूसरे का विपरीत अर्थ देने वाले शब्दों को क्या कहते हैं?

☐ समानार्थी ☐ पर्यायवाची ☐ विलोम ☐ विशेषण

(ङ) नाम वाले शब्द के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्दों को क्या कहा जाता है?

☐ समानार्थी शब्द ☐ सर्वनाम शब्द ☐ विलोम शब्द ☐ क्रिया

2. दिए गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर (✓) और (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) चार साल के बाद फरवरी महीने में 29 दिन आते हैं। ☐

(ख) स्वतंत्रता दिवस 26 जनवरी को मनाया जाता है। ☐

(ग) किसी रोचक घटना को छोटे रूप में लिखना या कहना कहानी कहलाता है। ☐

(घ) एक साल में 366 दिन होते हैं। ☐

(ङ) वीरवार को बृहस्पतिवार या गुरुवार भी कहते हैं। ☐

SAMPLE

3. हिंदी भाषा के शब्दों को हिंदी भाषा के अंकों से मिलाइए।

	शब्द		अंक
(क)	अठारह	(i)	८
(ख)	तेरह	(ii)	१६
(ग)	आठ	(iii)	९
(घ)	उन्नीस	(iv)	१८
(ङ)	सोलह	(v)	१३
(च)	नौ	(vi)	१९

4. दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

सर्वनाम क्रिया विशेषण समानार्थी चित्र-वर्णन

(क) संज्ञा और सर्वनाम शब्दों के गुण-दोष, रंग-रूप, आकार, माप-तौल, संख्या आदि बताने वाले शब्द .... कहलाते हैं।

(ख) हँसना, रोना, चलना, खाना, पढ़ना, लिखना आदि सभी शब्दों को .... कहते हैं।

(ग) समान अर्थ देने वाले शब्दों को पर्यायवाची अथवा .... शब्द कहते हैं।

(घ) मैं, हम, तुम, आप, यह, वे, उसको आदि शब्दों को .... कहते हैं।

(ङ) किसी चित्र को देखकर उसके बारे में लिखना .... कहलाता है।

5. आप अपनी पाँच विशेषताओं के बारे में लिखिए।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

SAMPLE